अंडमान

सुबह तक

हिंदी दैनिक

वर्ष 1 अंक 9 बुधवार २० अक्टूबर, 2004 मूल्य रु. 2.00

पर्यावरण सुरक्षित तो हम सुरक्षित

Best Compliments From:
Andaman Jewellery
The leading Jewellers of Andamans
Junglighat
Port Blair 744 103
Ph: 33428, 31337

संक्षिप्त समाचार

बाराटांग में पेयजल का संकट गहराया

(संवाददाता)

बाराटांग, 19 अक्टूबर

बाराटांग तथा उसके आस-पास के क्षेत्रों के लोगों को पेयजल की काफी किल्लत है, लोगों को दूर-दूर से पेयजल लाना पढ़ रहा है। इस सम्बंध में जब इस क्षेत्र के लोगों से पूछताछ किया गया तो बतलाया गया है कि वैसे पेयजल की सुचारू ढंग में आपूर्ति की कोई व्यवस्था न होने के कारण यह समस्या बनी हुई है। इस क्षेत्र के कुछ वरिष्ठ सरकारी कर्मचारियों को छोड़कर यहां की आम जनता को इस समस्या का सामना करना पढ़ रहा है। इस मामले के सम्बंध में अनेकों बार जिला प्रशासन को अवगत कराया गया। परन्तु आज तक उस पर ध्यान नहीं दिया गया। वैसे भी इस क्षेत्र में न केवल पेयजल बल्कि अन्य मूल सुविधाओं का अभाव है। इस द्वीपसमूह का सबसे पिछड़ा क्षेत्र है जिसे आज भी विकास की सही रोशनी की प्रतीक्षा है।

जीवन बीमा निगम के ४० हजार ग्राहक

पोर्ट ब्लेयर, 19 अक्टूबर

इस द्वीप समूह में भारतीय जीवन बीमा निगम की स्थानीय कार्यालय की स्थापना 1972 में की गई है। तब से आज तक इस निगम ने इस द्वीप समूह के 40 हजार लोगों को जीवन एवं वित्त सुरक्षा की अपनी इस अभियान में जोड़ पाया है इसके 350 एजेन्टों ने इस निगम को करोड़ों का व्यापार दिया है। इस कारण इस निगम की पूर्वी क्षेत्र का सबसे बेहतर शाखा का गौरव प्राप्त है। यह बात एक समारोह के दौरान निगम के वरिष्ठ अधिकारी श्री ए.के. मल्होत्रा ने बतलाया।

अतिरिक्त उड़ाने, फिर भी फंसे है सैंकड़ो यात्री

(संवाददाता द्वारा)

पोर्ट ब्लेयर, 19 अक्टूबर

इण्डियन एयर लायन्स द्वारा पूजा के इस मौके पर अतिरिक्त उड़ाने शुरू तो की है, परन्तु इसके बावजूद यात्रियों को टिकटें नहीं मिल रही है। यहाँ तक उनके कम्प्यूटरों ने टिकटें जारी करने से इंकार कर दिया है। जब इस बारे में खोजबिन की गई तो इस बात का पता चल पाया है कि टिकटों के ओके करवाने के नाम पर बड़े पैमाने पर धांधली की जा रही है। इस मामले में कुख्यात टूर ऑपरेटरों का एक ऐसा गिरोह इस शहर में सक्रिय है जिसे भ्रष्ट अफसरों एवं भ्रष्ट नेताओं का संरक्षण प्राप्त है। जर्मनी की एक विदेशी महिला पर्यटक तो इतनी दुःखी हो गई है कि उसने यहाँ तक निर्णय ले लिया कि वे अपने देश ही नहीं, अन्य देशों में इस द्वीप समूह में विदेशी पर्यटकों को दिए जा रहे मानसिक यातनाओं की प्रचार करेगी जिससे विदेशी पर्यटकों को इस द्वीप समूह में आने से रोका जाए। स्वर्ग का यह द्वीप सरकारी तन्त्र के चलते नरक बन गया है।

उधर इण्डियन एयर लायन्स के लोगों का नजरिया भी वरिष्ठ नागरिक, स्कूली छात्रों तथा ऐलटीसी. से सम्बंधित सरकारी कर्मचारियों के प्रति ठीक नहीं है। वे लोग इन्हें हिकारत की (शेष पृष्ठ 4 पर)

आडवाणी बने भाजपा के नये सेनापति

अंडमान का आदर्श गांव चला अब गाजीपुर की ओर

(संवाददाता द्वारा)

पोर्ट ब्लेयर, 19 अक्टूबर

अंडमान निकोबार द्वीप समूह के विकास में कृषि अनुसंधान संस्थान की शुरू से अहम भूमिका रही है। इस संस्थान द्वारा अपनाये गए कुछ गांव ने तो आदर्श गांव का स्वरूप ले लिया है पिछडे गाँव को आदर्श गाँव बनाने में महारत। इस कारण संस्था की लोकप्रियता पूरे देश में फैल गई है। यही वजह है कि भारत सरकार ने इस संस्थान को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर क्षेत्र स्थित 1965 के भारत पाक युद्ध के महान योद्धा अब्दुल हमीद के गांव को आर्दश गांव बनाने की जिम्मेदारी सौंपी है। कहा जाता है इस मामले की कागजी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। संस्थान के निदेशक डॉ. आर.बी. राय की निगरानी में शहीद हमीदपुर गांव को आर्दश गांव बनाया जाएगा।

गौरतलब है कि कृषि अनुसंधान ने न केवल इस द्वीप समूह बल्कि इस देश को एक ऐसा मॉडल गांव प्रस्तुत करने का प्रयास शुरू किया जा रहा है जहाँ पर कृषि का विकास, रोजगार के अवसर तथा आम लोगों की खुशहाली पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

मॉडल स्कूल को शीघ्र ही देश का श्रेष्ठ सरकारी स्कूल का सम्मान

(संवाददाता द्वारा)

पोर्ट ब्लेयर, 19 अक्टूबर

द्वीप प्रशासन के सीनियर सेकेण्डरी मॉडल स्कूल अबरडीन को शीघ्र ही देश के सरकारी स्कूलों में श्रेष्ठ स्कूल का सम्मान प्राप्त होने जा रहा है। इस आशय की जानकारी द्वीपों के दौरे पे आए हुए मानव संसाधन मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी से मिल पाया। इस वरिष्ठ अधिकारी ने बतलाया चूंकि इस मामले को अंतिम रूप दिया जा रहा है वैसे पिछले कुछ वर्षों के दौरान समूचे देश के सरकारी स्कूलों के स्तर का जब सर्वेक्षण किया गया तो देश के इस दूर दराज इलाके के इस सरकारी स्कूल को ही सबसे अधिक बेहतर स्कूल पाया गया। इस स्कूल के छात्रों को जिस ढंग से तैयार किया जा रहा है वे किसी भी निजी क्षेत्र के स्कूल के छात्रों से कम नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस स्कूल को बेहतर बनाने में स्कूल के शिक्षकों और प्रिंसिपल की महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रशासन को चाहिए इस स्कूल पर और अधिक ध्यान दे जिससे इस द्वीप समूह का नाम और रोशन किया जा सके। इसी स्कूल के स्तर पर दूर दराज के क्षेत्रों के सरकारी स्कूल का विकास किया जाए। (शेष पृष्ठ 4 पर)

दुनिया की सबसे मंहगी जारवा झोपड़ी

(संवाददाता द्वारा)

पोर्ट ब्लेयर, 19 अक्टूबर

जारवा आदिम जनजाति समुदाय के कल्याण के लिए भारत सरकार की ओर से प्रतिवर्ष करोड़ों का बजट भेजा जाता है। परन्तु उस बजट का सही इस्तेमाल हो भी पाता है यह हमेशा विवाद का मुद्दा रहा है। जारवाओं के सम्बंध में आयोजित संगोष्ठी एवं विचार गोष्ठी में इस पर बहस हो चुकी है, परन्तु आज तक स्थानिय प्रशासन इस पर सही स्पष्टीकरण दे नहीं पाया है। जारवाओं के भोजन के नाम पर केले, नारियल का जिक्र से अधिक प्रशासन की आदिम जनजाति समिति के कर्मचारियों के वेतन, वाहनों एवं अन्य फिजूल खर्चों का बार-बार उल्लेख किया जाता रहा। यहाँ तक आदिवासी स्वास्थ्य के नाम एक नए बजट का खेल शुरू हो चुका है। इन्हीं सभी मामलों को लेकर पिछली सरकार के दौरान उस समय के सांसद श्री विष्णु पद रे ने तो लोक सभा में प्रति वर्ष प्रति जारवा पर एक लाख रुपए के बजट खर्च किए जाने पर सवाल उठा कर अच्छा-खासा हंगामा खड़ा कर दिया था। (शेष पृष्ठ 3 पर)